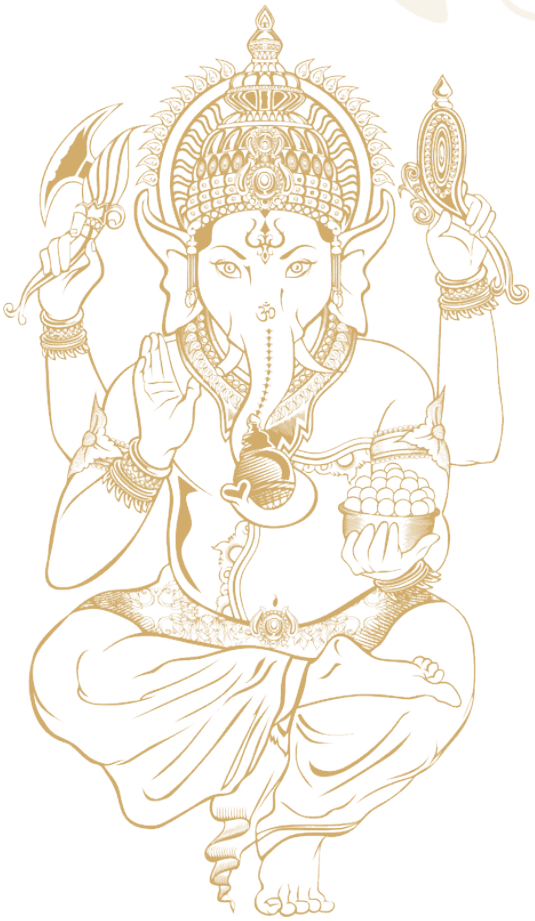

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121153503

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15-16/10/1998	जन्म तिथि	22/11/2006
गुरु-शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 05:15:00	जन्म समय	17:00:00 घंटे
घटी 57:06:31	जन्म समय(घटी)	25:19:35 घटी
India	देश	India
Rohtak	स्थान	Rohtak
28:54:00 उत्तर	अक्षांश	28:54:00 उत्तर
76:38:00 पूर्व	रेखांश	76:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:28	स्थानिक संस्कार	-00:23:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:24:23	सूर्योदय	06:52:10
17:52:55	सूर्यास्त	17:26:53
23:50:14	चित्रपक्षीय अयनांश	23:57:13

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 1वर्ष 9मा 28दि	12:28:37	कन्या	लग्न	मेष	29:37:48	बुध 7वर्ष 4मा 21दि
सूर्य	28:34:30	कन्या	सूर्य	वृश्चि	06:03:58	शुक्र
13/08/2020	09:51:10	सिंह	चंद्र	वृश्चि	24:12:07	14/04/2021
14/08/2026	11:19:14	सिंह	मंगल	तुला	26:26:06	14/04/2041
सूर्य 01/12/2020	12:11:31	तुला	बुध	तुला	16:45:37	शुक्र 14/08/2024
चन्द्र 01/06/2021	25:40:28	कुंभ व	गुरु	वृश्चि	05:39:51	सूर्य 14/08/2025
मंगल 07/10/2021	24:55:33	कन्या	शुक्र	वृश्चि	12:30:18	चन्द्र 15/04/2027
राहु 01/09/2022	06:56:32	मेष व	शनि	सिंह	00:56:36	मंगल 14/06/2028
गुरु 20/06/2023	06:32:28	सिंह व	राहु व	कुंभ	28:54:28	राहु 14/06/2031
शनि 01/06/2024	06:32:28	कुंभ व	केतु व	सिंह	28:54:28	गुरु 12/02/2034
बुध 08/04/2025	14:58:33	मक व	हर्ष	कुंभ	16:51:28	शनि 14/04/2037
केतु 13/08/2025	05:33:08	मक	नेप	मक	23:14:29	बुध 13/02/2040
शुक्र 14/08/2026	12:26:24	वृश्चि	प्लूटो	धनु	01:37:57	केतु 14/04/2041

लग्न-चलित

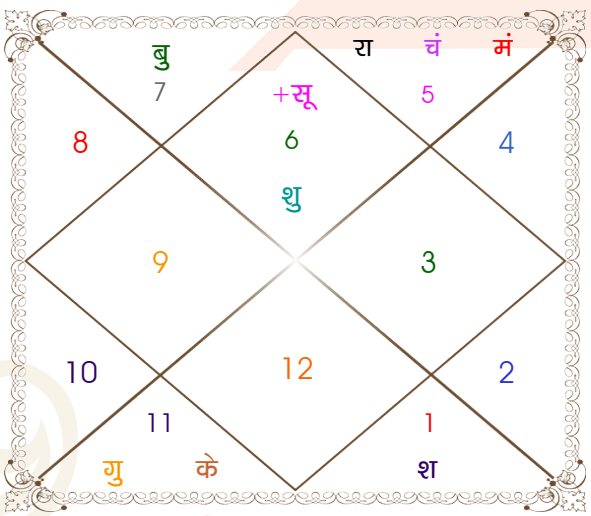

लग्न-चलित

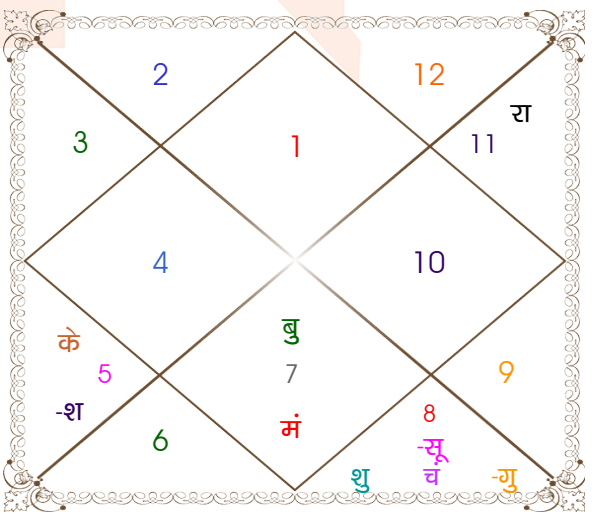

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	कीटक	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.00		

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।